>

Title: Need to maintain and construct concrete bridges as per set standards on National Highway No. 107 in Bihar.

श्री दिनेश चन्द्र यादव (खगड़िया): सभापति महोदय, बिहार राज्य की राÂष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 107 की हालत काफी दयनीय है। यह चार जिला खगड़िया, सहरसा, मधेपुरा, पूर्णिया को जोड़ती है। सबसे बड़ी बात यह है कि इस राÂष्ट्रीय राजमार्ग के जर्जर होने से और इसके 16वें किलोमीटर पर कोसी नदी के डुमरीघाट पर बने आरसीसी ब्रिज एवं 36वें किलोमीटर पर तिलावे नदी पर बने एक पाइल ब्रिज के क्षतिग्रस्त हो जाने से आवागमन एक साल से अवरुद्ध है।

इसी पथ पर 51वें किलोमीटर पर ऐसा पुल बना हुआ है, जो हम समझते हैं कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर कोई वैसा दूसरा पुल नहीं होगा। यह पुल अंग्रेजों के जमाने का लोहे के खम्भों पर बना हुआ पुल है जो क्षतिग्रस्त है, उसी पर सारा आवागमन होता है। यह पुल किसी भी समय ध्वस्त हो सकता है। इसी सड़क के 51वें किलोमीटर से 67 किलोमीटर तक दस फीट की चौड़ी सड़क है, जो जर्जर अवस्था में है। राष्ट्रीय राजमार्ग में जब इस सड़क को अधिगृहित किया गया, तब से आज तक 10 फीट चौड़ी सड़क है। इसमें दुर्घटनाओं के कारण दर्जनों लोगों की मृत्यु हो चुकी है। इसी राष्ट्रीय राजमार्ग 107 के 72वें किलोमीटर में जो सहरसा शहर में अवस्थित रेल ओड़ ओवर ब्रिज निर्माण की स्वीकृति 1997 में हुई थी, लेकिन आज तक उसके निर्माण की कोई प्रक्रिया शुरू नहीं की गई है, जिससे बंगाली बाजार में जाम लगने से जनजीवन अस्त व्यस्त रहता है। उस इलाके का आवागमन मध्य बिहार से कटा हुआ है। बिहार राज्य की राजधानी पटना आने का एकमात्र रास्ता कोसी इलाके का है NH-107 ही है। इसलिए हम केन्द्र सरकार से आपके माध्यम से दो-तीन बातें कहना चाहते हैं। डुमरी घाट जो एनएच–107 के 16वें किलोमीटर पर आरसीसी ब्रिज क्षतिग्रस्त हो गया है। उसी पथ के 36वें किलोमीटर में नदी पर जो स्कू पाइप ब्रिज था, वह भी क्षतिग्रस्त हो गया है। उसी पथ के 51वें किलोमीटर पर एक लोहे के खम्भे पर पुल बना हुआ है, जिसका डीपीआर भारत सरकार में समर्पित है, उसकी स्वीकृति देकर उस पुल का निर्माण कराया जाए। उस पथ के 51वें किलोमीटर से 67 किलोमीटर तक जो दस फीट की चौड़ी सड़क है, उसका चौड़ीकरण, मजबूतीकरण और सुदृढ़ीकरण किया जाए। उसके साथ उस पथ के 72वें किलोमीटर पर रेल ओवर ब्रिज जो 1997 से स्वीकृत है, निर्माण नहीं होने से वहां जाम से आवागमन अवरुद्ध रहता है और जन-जीवन अस्त-व्यस्त रहता है, इसलिए उस रेल ओवर ब्रिज का निर्माण शीघ्र कराया जाए। यह हम आपके माध्यम से केन्द्रे सरकार से मांग करते हैं।